महत्वपूर्ण एवं खास

राजनांदगांव जिले में लगा लॉक डाउन- सिनेमा घर व वाटर पार्क बंद करने का आदेश जारी

राजनांदगांव(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ - महाराष्ट्र सीमा से लगे छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में भी पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के नये मामले सामने आने लगे हैं. महाराष्ट्र राज्य से लगे राजनांदगांव के डोंगरगढ़ ब्लॉक में सबसे ज्यादा कोरोना के पॉजिटिव मरीज सामने आ रहे हैं. इसको देखते हुए ऐतिहातन शहर के सिनेमा घरों और वाटर पार्क को बंद करने का आदेश प्रशासन द्वारा जारी कर दिया गया है. प्रशासन के इस निर्णय को ज्यादा केस बढ़ने पर लॉकडाउन के संकेत के रूप में भी देखा जा सकता है।

ट्रांसफार्मर में सार्ट सर्किट,पंडाल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

जशपुर (आरएनएस)। जिले के लोदाम इलाके में गणेश पंडाल में अचानक आग लग गई। इस दुर्घटना में किसी के आहत होने की खबर हांलाकि नहीं है लेकिन एक बड़ी दुर्घटना जरूर टल गई है। जानकारी के मुताबिक लोदाम पोड़ी में सभी गांव वाले मिलकर श्री गणेश स्थापना किए। रात 8 बजे आरती कर के रात को 10 बजे तक कृतन भजन कर पंडाल में कुछ लड़के एवं बच्चे सोए थे. तभी रात को 11,30 बजे अचानक पंडाल के बगल में बिजली ट्रांसफार्मर जोरदार फटने की आवाज आई फिर देखते देखते आग का बड़ा रूप ले लिया ,पंडाल में सोए लोग को आनन फानन में गांव वाले बचाए ,पंडाल एवं सोए हुए बिस्तर जल कर राख हो गया। वही 11 हजार बोल्टेज का बड़ा बिजली तार भी टूट कर गिर गया। गांव वालों की सूझ बूझ से बड़ा हादसा टल गया।

सिरपुर में फिर पहुंचा रोहांसी का हाथी दल, 2 से 7 हुई संख्या

महासमुंद (आरएनएस)। सिरपुर क्षेत्र में एक बार फिर से ग्रामीणों को रोहांसी दल के हाथियों की धमक सुनाई दे रही है। बलौदाबाजार जिले के वनाचंल क्षेत्र से रोहांसी दल के 4 हाथियों के सिरपुर में आने से संख्या 4-6 हो गई है। इधर, हाथियों की संख्या बढने से ग्रामीणों में दहशत और बढ़ गई है। इधर, सभी हाथी अलग-अलग घूम रहे हैं। विभाग और ग्रामीणों के मुताबिक एक हाथी खिरसाली, बंदोरा, अचानकपुर स्थित वन विकास निगम के कक्ष क्रमांक 158-159 में विचरण कर रहा है। वहीं तीन हाथी मुरुमडीह, कौहाबाहरा, छतालडबरा के बीच वन क्षेत्र में विचरण कर रहा है। जबकि दो हाथी बांसकुड़ा के वन क्षेत्र के आसपास विचरण देखे गए हैं। विभाग ने हाथियों की संख्या बढने के बाद क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया है। इधर, बीते दिनों हुई घटना के बाद ग्रामीण दहशत में हैं। लंबे समय बाद क्षेत्र में हाथियों की संख्या बढने से उनकी परेशानी बढ़ गई है। हाथी भगाओ फसल बचाओ समिति के संयोजक राधेलाल सिन्हा का कहना है कि हाथियों की संख्या बढने से अब फसल क्षति की चिंता सताने लगी है। बारिश की वजह से पहले ही फसल खराब हो चुकी है और हाथियों द्वारा नुकसान पहुंचा जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना बनी हुई

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों के लिए येलो अलर्ट के साथ बस्तर और सरगुजा संभाग के जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार एक निम्न दाब का क्षेत्र पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है, इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। मानसून द्रोणिका उत्तर-पूर्व अरब सागर से गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा होते हुए निम्न दाब के केंद्र पूर्व- मध्य बंगाल की खाड़ी तक 1.5 किलोमीटर से 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है, जिसके प्रभाव से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में गरज चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ के विकास में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए गढ़ा जा रहा नवा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

» जिला स्तर पर जनहितकारी योजनाओं तथा अभियान के संचालन की दी गई है खुली छूट

» लोकवाणी की 21वीं कड़ी प्रसारित

रायगढ़। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 'लोकवाणी' की 21वीं कड़ी में कहा कि स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए समस्याओं को चिन्हित करना, उनके समाधान की तलाश करना, उन्हें लागू करना और जनता को राहत दिलाना है। इस कड़ी में सभी जिलों के समन्वित विकास के लिए स्थानीय जनता की सोच, इच्छा तथा अपेक्षा के अनुरूप काम करने में जिला प्रशासन को और अधिक सक्षम बनाया जा रहा है। इस तरह राज्य में प्रत्येक व्यक्ति को सशक्त बनाते हुए विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित कर नवा छत्तीसगढ़ को गढ़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि प्रशासनिक इकाई के रूप में जिलों को महत्व देते हुए हमने अल्प समय में ही 5 नये जिले बनाने की पहल की है। साथ ही जिला स्तर पर जनहितकारी योजनाएं, कार्यक्रम और अभियान संचालित करने की खुली छूट दी है, ताकि स्थानीय जनता की सोच, इच्छा और अपेक्षा के अनुरूप काम करने में जिला प्रशासन अधिक

सक्षम हो सके।

मुख्यमंत्री बघेल ने आगे कहा कि आर्थिक तंगी और कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से हमारे प्रदेशवासियों को किसी तरह की तकलीफ न हो, बल्कि उनकी सुविधाओं में बढ़ोत्तरी का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता रहे, इस बात को ध्यान में रखते हुए हमने छत्तीसगढ़ में अनेक नये-नये उपाए किए हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए अब लघु धान्य फसलों का उत्पादन बढ़ाने के साथ इन्हें बेहतर दाम तथा सुविधाएं देने की पहल की है। इसके लिए छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन की स्थापना की गई है और उत्पादन में वृद्धि तथा प्रसंस्करण के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाई जा रही है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के विस्तार में इस बात का ध्यान रखा गया है कि जो किसान धान के बदले कोदो-कुटकी-रागी की फसल लेंगे, उन्हें प्रति एकड़ 10 हजार रुपए की आदान सहायता दी जाएगी, जो फसल बेचने से होने वाली उनकी आय के अतिरिक्त होगी।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास के लिए आदिवासी अंचल में भी कई ऐसे नवाचार किए गए हैं, जिसका लाभ अब लोगों को बड़े तादाद में मिलने लगा है। उन्होंने बताया कि इनमें मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान के माध्यम से लोगों को बहुत बड़ी राहत दिलाई है। बीते एक साल में पॉजिटीविटी दर 4.6 प्रतिशत से घटकर 0.86 प्रतिशत पर आ गई। पूरे बस्तर संभाग में मलेरिया की प्रभाव दर 45 प्रतिशत कम हो गई है। जिस तरह से युद्धस्तर पर काम हुआ उसकी सराहना नीति आयोग और यूएनडीपी ने की है तथा इसे देश के अन्य आकांक्षी जिलों के लिए भी अनुकरणीय बताया है। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना का भी इसमें बहुत सहयोग मिला, जो कि अपने आप में एक नवाचार था। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना से 11 लाख से अधिक लोगों का इलाज हुआ। इस तरह से मलेरिया और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान से सुपोषण को लेकर किए जा रहे प्रयासों को भी बल मिला। मलेरिया मुक्ति का अभियान महिलाओं और बच्चों के लिए वरदान साबित हुआ है।

लगातार झमाझम बारिश से नदी नाले लबालब

» मौसम विभाग ने 21 जिलों के लिए जारी किया येलो अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में लगातार झमाझम बारिश हो रही है जिसकी वजह से नदी नाले फिर से लबालब हो गए हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं 21? जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी हुआ है। गौरतलब है कि शनिवार को दिनभर आसमान में काले बादल छाए रहे। वहीं दोपहर बाद राजधानी में हुई मूसलाधार बारिश से जिंदगी थम गई। शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए। कई गाड़ियां घंटों संड़कों में फंसी रही।

शनिवार को राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग

बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विशेषज्ञों ने आने वाले 4 दिन बारिश को लेकर महत्वपूर्ण बताया है। वहीं प्रदेश के 21 जिलों के लिए चेतावनी जारी किया है। इनमें बिलासपुर और सरगुजा के 6 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं अन्य जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

बिजली करंट से युवक की मौत

महासमुंद (आरएनएस)। बिजली करंट लगने से अस्पताल में भर्ती एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मामला कोतवाली थाना नयापारा का मामला है। पुलिस के अनुसार वासु ध्रुव पिता विजय ध्रुव (19) को 1 सितंबर को घर में ही बिजली करंट लगने से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती था। 10 सितंबर शुक्रवार को पौने 11 बजे की इलाज के दौरान मौत हो गई।

ट्रेलर ने दो युवकों को रौंदा, दोनों की मौके पर मौत

बिलासपुर (आरएनएस)। जिले में कोरबा की ओर से आ रहे ट्रेलर ने बाइक सवार दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में ट्रेलर के पहियों के नीचे आकर युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं आरोपी चालक मौके से फरार हो गया।

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बड़ी मशक्कत के बाद क्रेन की सहायता से ट्रेलर को पलटा कर शवों को बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार रतनपुर के कर्रा में कोरबा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर के ड्राइवर ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार कोनी क्षेत्र के पौंसरा निवासी श्याम प्रसाद भार्गव और राकेश कुरेश्कर की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेलर का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। दोनों युवकों का शव ट्रेलर के पहिए से दबकर मिट्टी में धंस गया था, जिसे काफी मशक्कत के बाद निकाला गया है।

महतारी एक्सप्रेस व कार में भिड़ंत, बच्चे सहित छह घायल

कोरबा (आरएनएस)। कसनिया नर्सरी के अंधे मोड़ के पास कार महतारी एक्सप्रेस में भिडंत हो गई। घटना के वक्त महिलाएं, बच्चे समेत दोनों वाहन में 11 लोग सवार थे। इनमें छह लोगों को चोंटे आई, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अपोलो बिलासपुर रेफर कर दिया गया।

शनिवार दोपहर दो बजे कटघोरा से शिशुवती महिला उनके स्वजन को लेकर चालक व टेक्नीशियन महतारी एक्सप्रेस में सुतर्रा जा रहे थे। अभी वाहन कसनिया के पास अंधे मोड़ पर पहुंची थी कि बिलासपुर से आ रही स्विफ्ट कार क्रमांक सीजी 15 सीआर 4400 के साथ भिडंत हो गई। कार में चालक, चार बच्चे व महिला सवार थी। बताया जा रहा है कि कार का अचानक स्टेरिंग फेल

हो गया और मोड़ में वाहन नहीं मुड़ सका। दोनों वाहनों के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। तेज आवाज सुन कर आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने तत्काल सभी घायलों को बाहर निकाला। बाद में तहसील कार्यालय में पदस्थ राजेश डिक्सेना और दगिव यादव चपरासी ने खून से लथपथ दो बच्चों को हास्पिटल पहुंचाया। वहीं सूचना मिलने पर कटघोरा पुलिस, डायल 112 व संजीवनी 108 को दी। घटनास्थल पहुंचे पुलिस जवानों 112 व संजीवनी 108 की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा पहुंचाया। घटना में छह लोगों को गम्भीर चोटें आई हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर अपोलो अस्पताल रेफर कर दिया है। वही महतारी के चालक व सहायक का इलाज कटघोरा चिकित्सालय में ही जारी है। बहरहाल सभी की हालात खतरे से बाहर है। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा उपाय नहीं होने की वजह से कसनिया मोड़ में अक्सर वाहनों की भिड़ंत होती रहती है। संकरी सड़क होने से वाहन चालक अपना नियंत्रण खो देते है और दुर्घटना होती है। ज्यादातर दुर्घटनाओं में वाहनों की रफ्तार होती है, क्योंकि मोघ्ड़ होने के कारण वाहन नहीं मुड़ पाता और सामने से आ रहे वाहन टकरा जाता है।

पुलिया के गड्ढा से गिरी बाइक, भाभी की मौत होने से देवर पर अपराध दर्ज

कोरबा (आरएनएस)। पसान क्षेत्र के बैरा पुलिया पर गड्ढा होने से बाइक के बेकाबू होकर नीचे गिर गई। घटना में बाइक पर पीछे बैठी महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट पर बाइक चला रहे देवर पर केस दर्ज कर लिया है।

अड़सरा खरिया टिकरा गांव निवासी बिरसु धनवार 21 अगस्त को पत्नी रामबाई व भाई अर्जुन सिंह के साथ बाइक पर पसान गया था। यहां से वे दोपहर में लौट रहे थे। बाइक अर्जुन चला रहा था। पीछे बिरसु व रामबाई बैठी थी। बैरा पुलिया से गुजरते समय वहां बने गड्ढा के कारण बाइक उछलकर बेकाबू हो गई। इससे बाइक पुलिया से नीचे गिरे। घटना में तीनों लोगों को चोट पहुंची, लेकिन रामबाई को सिर समेत हाथ-पैर में चोट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे गौरेला अस्पताल भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शोक कार्यक्रम पूरा करने के बाद पसान थाना पहुंचकर रामबाई के पति बिरसु ने घटना की रिपोर्ट लिखाई।

तेंदुए को पकड़ने मे वन विभाग को मिली बड़ी सफलता

» दो लोगों का किया था शिकार

कांकेर (आरएनएस)। आखिरकार आज रविवार को वन विभाग को बड़ी सफलता हासिल हुई है भैसाकट्टा और पलेवा क्षेत्र में दहशत का माहौल फैला चुके दो आदमखोर तेंदुए को पकड़ने मे वन विभाग सफल हुआ है । एक पलेवा गांव से तो दूसरा भैसा कट्टा गांव में पकड़ा गया ।

पिछले चार दिनों से लगातार बकरे का लालच देकर पिंजरा लगाया गया था कि आखिरकार तेंदुआ इस पिंजरे में फंस जाए लेकिन इस बीच वन विभाग को कई

परेशानियों का भी सामना करना पड़ा इस दौरान एक बकरा को लकड़बग्घा खा गया तो दूसरे पिंजरे में भालू घुस गया था जिसे सुरक्षित स्थान में छोड़ा गया लेकिन आज बीती रात्रि आवासपारा पहाडी क्षेत्र में एक तेंदुआ आखिरकार फंस गया अब वन विभाग इन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाकर छोड़ने जा रही है।

गौरतलब हो कि 15 दिनों में 2 लोगों को तेंदुए ने शिकार कर लिया था पहला मामला पलेवा गांव से जो एक बुजुर्गों को तो दूसरा भैसाकट्टा गांव में एक महिला को शिकार बना लिया था। वही क्षेत्र के लोगों में तेंदुआ पकड़े जाने के बाद राहत की सांस ली है। वहीं ग्रामीणों का कहना है एक और तेंदुआ है जो अब भी बेखौफ घूम रहा है बीती रात भी तेंदुआ गांव के आसपास मंडराता हुआ देखा गया था ।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूल्यवान महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

महिला ने भालुओं से लड़कर पति की जान बचायी

कोरबा (आरएनएस)। प्रबल इच्छा शक्ति और टक्कर देने की मानसिकता होने पर व्यक्ति कठिन परिस्थितियों का ना केवल सामना कर सकता है बल्कि विजय भी प्राप्त कर सकता है। वनवासी क्षेत्र में भालुओं के निशाने पर रहे पति की जान बचाने के लिए पत्नी ही दो भालुओं से भिड़ गई। उसके पराक्रम ने भालुओं को जंगल की तरफ भागने को मजबूर कर दिया। वनवासी महिला के इस पराक्रम की इलाके में चर्चा हो रही है।

जिले के लेमरू थानातंर्गत आने वाले ग्राम अल्गीडोंगरी में हुई एक घटना में एक महिला ने भालुओं से लड़कर अपने पति की जान बचा ली। लेकिन इस प्रयास में वह बूरी तरह घायल हो गई। घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार जारी है। लेमरू थाना क्षेत्र के ग्राम अल्गीडोंगरी में रहने वाली इतवारी बाई शनिवार की शाम अपने पति पवित्तर सिंह के साथ बकरी चराने जंगल गई हुई थी। तभी 05 बजे के लगभग जंगल से निकलकर दो खुंखार भालुओं ने महिला के पति पवित्तर सिंह पर हमला कर दिया। हालांकि हमला उस समय प्रभावी नहीं हो सका। पति की जान को खतरे में देख ईतवारी बाई बिना देर किये भालुओं से भिड़ गई। अपने जीवन की चिंता ना करते हुए पत्नी ने भालुओं का डटकर मुकाबला किया।

उसके इस प्रयास से पति की जान पर मंडरा रहा खतरा टल गया। इस फेर में भालुओं के नुकीले नाखुनों के कारण महिला के शरीर के कुछ हिस्सों पर काफी गहरे जख्म आ गए। इन सबके बावजूद घटनाक्रम के दौरान महिला को अपने पर भारी पड़ता देख दोनों भालु जंगल की ओर भाग निकले।

ग्रामीण क्षेत्र में हुई इस घटना की जानकारी कुछ देर बाद आसपास के इलाके में आम हुई। क्षेत्र के ग्रामीणों ने पीड़िता और उसके पति की सुध ली। इसके बाद मामले की जानकारी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाता को दी। कुछ समय के बाद यहां पहुंची 108 संजीवनी एक्सप्रेस के जरिये महिला को जिला अस्पताल भिजवाया। जहां उसका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार महिला की स्थिति खतरे से बाहर बनी हुई है। वन विभाग को घटना की सूचना दे दी गई है। हालांकि अभी तक वन विभाग के अधिकारी अस्पातल नहीं पहुंचे हैं। जिससे आर्थिक मदद नहीं मिल पाया है। संकटकाल में पैर पीछे खींचने के बजाय आगे बढने और स्थिति को नियंत्रित करना ही एकमात्र विकल्प होता है। मनोवैज्ञानिक विशखेषण कहता है कि कुल मिलाकर ऐसे हालात में अपने आपको बचाने के साथ अन्य संबंधित को संरक्षित करना बुद्धिमानी होता है। इसके लिए आपको धैर्य और संयम के साथ काम करते हुए कुछ ऐसा प्रदर्शित करना होता है कि प्रतिद्वंदी को यह आभास हो कि आप उससे कम नहीं हैं।